Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 22-08-2006
Participants : Singh Shri Chandra Bhushan,Shakya Shri Raghuraj Singh,Yadav Shri Parasnath,Yadav Shri Devendra Prasad,Suman Shri Ramji Lal,Verma Shri Ravi Prakash,Kumar Shri Shailendra,Yadav Shri Akhilesh,Yadav Prof. Ram Gopal

an>

Title : Regarding 27% reservation provided to OBC in Higher Educational Institutions.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, उच्च शिक्षा संस्थान में अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का मसौदा कल कैबिनेट ने मंजूर किया है। बहुत दिनों से यह बात चर्चा में थी कि सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को 27 प्रतिशत आरक्षण देना चाहती है। बराबर समाचारों में आता रहा है कि मंत्रिपरिद का रुख परस्पर विरोधाभास का है और सरकार की राय एक नहीं है। जब यह दबाव बढ़ा कि सरकार को यह बिल इसी सत्र में लाना चाहिए, तो बहुत जल्दबाजी में सरकार यह आधा-अधूरा बिल ले कर सदन में आ रही है। जो बिल आ रहा है उसमें एम्स, आईआईटी, आईआईएम एवं अन्य सरकारी सहायता प्राप्त संस्थानों में आरक्षण लागू किया जाएगा, लेकिन गैर सहायता प्राप्त संस्थानों के लिए फैसले को फिलहाल अलग रखा गया है, इनमें लागू नहीं होगा। अध्यक्ष जी, यह बहुत गंभीर मामला है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी महत्व के तीन संस्थानों को भी आरक्षण के दायरे से बाहर रखा गया है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is not a debate. If I have to continue like this, I would abolish this hour. Please be very brief.

… (*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन : क्या प्रोफेसर्स की कमी है कि वहां आरक्षण लागू नहीं होगा। यह आरक्षण चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है और एक तरह से हीला-हवाली की जा रही है, इस आरक्षण के मुद्दे पर और इसमें क्रीमी लेयर कों अलग रखा जाएगा। यह बहुत गंभीर मामला है। इस तरह से इसमें लीपापोती की जा रही है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :इसीलिए तो इस गंभीर मुद्दे को उठाने की प्रमीशन दी है।

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, आप हमें भी इस विाय से संबद्ध कीजिए।

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Ravi Prakash Verma, Shri Parasnath Yadav, Shri Chandra Bhushan Singh, Shri Shailendra Kumar, Shri Akhilesh Yadav, Shri Devendra Prasad Yadav and Shir Raghuraj Singh Shakya have been allowed to associate with this matter.

… (*Interruptions*)

MR. SPEKAER: Mr. Devendra Prasad Yadav, you cannot ask others to rise. You are gesturing them to get up.

प्रो. राम गोपाल यादव (सम्भल) : अध्यक्ष महोदय, आप आधा मिनट मेरी बात सुन लीजिए।

अध्यक्ष महोदय :आप अपनी पार्टी के सदस्यों को बैठने के लिए कहिए।

प्रो. राम गोपाल यादव : यह क्रीमी लेयर का मामला है। क्लास-3 का कर्मचारी है, वह भी क्रीमी लेयर में आ जाता है। मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि फिर दाखिला लेने कौन जाएगा, जो घास बीजते हैं, जिनके पास दो पैसे नहीं हैं। आप क्रीमी लेयर का बहाना लेकर सारे पिछड़े वर्ग को हायर एजुकेशन से वंचित करना चाहते हैं। इससे बचने की कोशिश होनी चाहिए और हम इसका विरोध करेंगे।

MR. SPEAKER: As an exception, Prof. Ram Gopal Yadav has been permitted to speak.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : इस विाय पर हमें संबद्ध किया जाए।

MR. SPEAKER: You may send the slips without disturbing the House. Mr. Devendra Prasad Yadav, I would ask you to sit on the Chair!

… (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :"क्रीमी लेयर " संवैधानिक शब्द नहीं है।...(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, यह सरकार आधा-अधूरा बिल ले कर आ रही है। अजीब स्थिति पैदा हो गई है।...(व्यवधान)

MR. SPEKAER: Hon. Members, there was a request for debate on the farmers' issue.

… (*Interruptions*)

MR. SPEKAER: Mr. Ramdas Athawale, you are becoming incorrigible.

There was a request made by the Government that to transact the important businesses, particularly, the discussion on the farmers issue, the Calling Attention listed in today's List of Business may be taken up later on. Shall I do that after the Bills? After the Bills, we can take up the Calling Attention.

SHRI DEVENDRA PRASAD YADAV : No, Sir.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI B.K. HANDIQUE): Sir, the Calling Attention may be taken up later on.

MR. SPEAKER: They are not agreeing.

SHRI DEVENDRA PRASAD YADAV : I am not agreeing. यह बहुत संवेदनशील मामला है। इसे ले लिया जाए। यह विाय आधे घंटे में पूरा हो जाएगा।

MR. SPEAKER: Other matters of urgent public importance would be taken up before the adjournment of the House in the evening. Please cooperate with the Chair.

Now, Calling Attention – Shri Raghunath Jha.